रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355 / 79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67 / 2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट **www.dhr.gov.in** लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु **log in** करें **www.behm.org.in**

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गजट
127 / 204 'एस' जूही, कानपुर–208014

वर्ष –40 ● अंक –18 ● कानपुर 16 से 30 सितम्बर 2018 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

डा0 बाजपेयी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के पर्याय थे–ख़ालिद

तुम न जाने किस जहाँ में खो गये

डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी की श्रद्धांजलि सभा का शुभारम्भ डा0 बाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण करके बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने किया इसके पश्चात

सभा में सभी उपस्थित लोगों ने बारी बारी से डा0 बाजपेयी को पुष्पांजलि दी।

संचालन कर रहे लखीमपुर से आये डा0 राकेश शर्मा ने उपस्थित लोगों को सर्वप्रथम डा0 बाजपेयी का जीवन परिचय बताया उन्होंने बताया कि डा0 बाजपेयी जी का जन्म 15 मार्च,1958 को फतेहपुर ज़िले के औरा ग्राम में हुआ था इनके पिता पं0 सीताराम बाजपेयी जी एक वैद्य थे तथा माता श्रीमती सुमित्रा देवी एक ग्रहणी थीं। डा0 बाजपेयी जी का विवाह श्रीमती मोहिनी बाजपेयी से हुआ तथा इनके पुत्र का नाम राहुल बाजपेयी तथा पुत्रवधु का नाम श्रीमती स्वाती बाजपेयी है। आपके एक भाई श्री विनोद शंकर बाजपेयी तथा दो बहनें श्रीमती मनोरमा शुक्ला एवं श्रीमती शैल मिश्रा हैं। आपने कानपुर युनिवर्सिटी से एम.एस.सी की परीक्षा उत्तीर्ण की। इलेक्ट्रो होम्यो– पैथी की शिक्षा बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 से ग्रहण की। सन् 1985 में काउण्ट मैटी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल के चिकित्साधिकारी के पद पर कार्यरत हुए इनकी प्रतिभा को देखकर बोर्ड ने सन् 1991 इनको परीक्षा समिति में मनोनीत किया इसके बाद डा0 बाजपेयी जी सन् 1996 में बोर्ड की प्रबन्ध समिति के सदस्य हुए जो जीवन पर्यन्त रहे। वह बोर्ड के प्रमुख प्रवक्ता भी थे।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0 प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी डा0 बाजपेयी को माल्यार्पण करते हुये।

डा0 बाजपेयी जी की संगठन में रूचि को देखते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ने इनको महासचिव मनोनीत किया।

शिक्षण कार्य में रूचि होने के कारण ही आपने सन् 1990 में हमीरपुर, सन् 1992 में ललितपुर, सन् 1998 में फिरोजाबाद तथा सन् 2000 में कानपुर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कालेज खोले।

एक डाक्टर होने के साथ साथ ही वह बहुत ही सामाजिक तथा धार्मिक व्यक्ति थे उन्होने ब्रह्मतेज नाम की एक संस्था भी बनायी थी। उनकासाहित्य सृजन तो अनोखा था वह लगातार इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गजट के लिए पेज नम्बर तीन पर सदैव अपने विचार लिखा करते थे। आपकी राजनीतिक छवि भी थी अनेको राजनीतिज्ञों से उनके व्यक्तिगत सम्बन्ध भी थे। उनका सारा जीवन इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के लिए समर्पित था .....

शेष पेज 2 पर

श्री राहुल बाजपेयी अपने पिता डा0 पी0एस0 बाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये।

मंचासीन बायें से दायें डा0 पी0 आर0 धूसिया, डा0 आर0 के0 कपूर बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी, श्री मुहम्मद खालिद,बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के सदस्य डा0 अयाज़ अहमद माईक पर

अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखनऊ के प्राचार्य डा0 आर0 के0 कपूर डा0 बाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये।

श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि का अर्थ श्रद्धा अर्थात जिस व्यक्ति के ऊपर आपकी श्रद्धा है और वह व्यक्ति अब इस संसार में नहीं है तो हम उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं उसी को श्रद्धांजलि का नाम दिया जाता है, संसार में कितने लोग मरते हैं और कितने को श्रद्धांजलि दी जाती है यह तो सब लोग जानते हैं श्रंदाजलि उसी को दी जाती है जो महान हो।

अभी कुछ समय पूर्व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय अटल बिहारी बाजपेयी जी का निधन हुआ, उसके बाद जिस प्रकार माननीय अटल बिहारी जी को श्रद्धांजलि पूरे भारत वर्ष में दी गयी वह आपने आप में अनूठी थी चाहे सत्तापक्ष हो या विपक्ष या फिर कोई आम राजनेता या आम जन सभी ने दिल से उनको श्रद्धांजलि व्यक्त की क्योंकि माननीय अटल बिहारी एक महान नेता थे।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रमोद शंकर बाजपेयी जी का देहान्त 11 अगस्त, 2018 को हो गया वह इलेक्ट्रो होम्योपैथिक जगत के एक महान नेता जो सर्वमान्य,सर्वप्रिय और अत्यन्त लोकप्रिय थे उनकी श्रद्धांजलि का सिलसिला भी पूरे उत्तर प्रदेश में चल रहा है क्योंकि जैसे श्री अटल बिहारी बाजपेयी पूरे देश में लोकप्रिय थे वैसे ही डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी भी पूरे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक जगत में लोकप्रिय थे।

इसी सिलसिले की एक कड़ी दिनांक 8 सितम्बर, 2018 को बोर्ड द्वारा श्रद्धांजलि सभा प्रेस क्लब लखनऊ में आयोजित की गयी। श्रद्धांजलि सभा में श्री प्रमोद शंकर बाजपेयी जी को याद करते हुए लोगों ने अपने–अपने विचार रखे, लोगो ने कहा कि श्री बाजपेयी के निधन से इलेक्ट्रो होम्योपैथों ने एक ऐसा योद्धा खो दिया है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकेगी, वह सही मायने में ऐसे इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नेता थे जिन्हें एक विचारधारा के सांचे में सीमित नहीं किया जा सकता है, तमाम इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्थाओं में उनकी स्वीकार्यता थी।

श्री बाजपेयी जी लगभग स्वर्णिम 4 दशक तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी की सेवा के लिए समर्पित रहे इनकी अनुकरणी सेवा का नतीजा है कि आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक मजबूत, समृद्धशाली बनाया। वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों के लिए प्रेरणा स्रोत थे, श्री बाजपेयी जी की कुशाग्र बुद्धि और शानदार हाजिर जवाबी के लिए हर इलेक्ट्रो होम्योपैथ उनका कायल रहेगा।

श्री प्रमोद शंकर बाजेपेयी जी ऐसे इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सक एवं कद्दावर नेता थे जो सदैव इलेक्ट्रो होम्योपैथी की रक्षा के लिए खड़े रहते थे, उनका ओजपूर्ण व्यक्तित्व और मैत्रीपूर्ण व्यवहार हर किसी को कायल कर देता था। वह अच्छे वक्ता और दूरदृष्टि वाले नेता होने के साथ–साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित को सबसे ऊपर रखने वाले इलेक्ट्रो होम्योपैथ थे।

किसी ने खूब कहा है कि वह ऐसे कर्मवीर थे जो कर्म पर ज्यादा विश्वास करते थे, वह सदा कहते थे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथों को सिर्फ कार्य पर ध्यान देना चाहिये यदि कार्य होता रहा तो निश्चित है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह सफलता अवश्य मिलेगी जिसकी वह हकदार है।

श्री बाजपेयी जी की श्रद्धांजलि सभा में लोग बहुत दूर दूर से आये जो उनकी महानता का परिचायक है।

सभा में उपस्थित हर सदस्य अपने आप को श्री बाजपेयी से जोड़ रहा था कोई तो अपना संस्मरण बता रहा था, तो कोई उनके साथ व्यतीत किये गये समय को याद कर रहा था, तो कोई इतना भावुक हो गया था कि कुछ बता ही नहीं पा रहा था। किसी ने कहा है कि –

यूँ तो दूनिया में सदा रहने कोई नही आता है!
आप जैसे गये हैं इस तरह कोई नहीं जाता है!

उनको याद करते हुए किसी ने कहा कि वह बोर्ड द्वारा कोई आयोजन हो और बाजपेयी जी न हों ऐसा सम्भव नहीं था आज हम पहली बार ऐसा होता देख रहे हैं, हमें महान दुःख हो रहा है।

डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी जी स्वयं में एक आन्दोलन थे उनकी सच्ची श्रद्धांजलि वह होगी जब हम उनके बताये रास्ते या उनके जैसे बनने का प्रयास करें जो कार्य अभी तक नहीं हुए हैं वह कार्य करें तथा बाजपेयी जी को नमन करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह स्थान दिलायें जिसकी इलेक्ट्रो होम्योपैथी हकदार है।

डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी जी का व्यक्तित्व बहुत ऊँचा था वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जरूरी थे, वह हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे हम उनको शत शत नमन करते हैं।

तुम न जाने किस जहाँ ... प्रथम पेज से आगे

उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को नई ऊचाँईयों तक पहुँचाया आज जो स्वरूप आप इलेक्ट्रो होम्योपैथी का देख रहे हैं उसमे उनका बहुत बड़ा योगदान है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मुहम्मद खालिद ने डा0 बाजपेयी को श्रद्धांसुमन अर्पित करते हुए कहा कि डा0 बाजपेयी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के पर्याय थे जो एक सिक्के दो पहलू थे आज हम पहली बार देख रहे है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक का कार्यक्रम बिना उनके हो रहा है उन्होने ने बताया कि जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी का कोई कार्यक्रम हो या धरना प्रदर्शन हो हर कार्य में डा0 बाजपेयी की उपस्थिति अवश्य होती थी उन्हे नहीं याद है कि कोई कार्यक्रम बिना बाजपेयी के हुआ हो।

बस्ती से आये डा0 अनिल कुमार श्रीवास्तव बाजपेयी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया कि डा0 बाजपेयी और मैं एम.एस.सी.कानपुर से एक सन् में किया था लेकिन न वह हमें जानते थे और न मै उनको जानता था यह एक इत्फाक था कि दोनो लोग एमएससी करने के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ गये वह डा0 इदरीसी के साथ जुड़े थे और मैं डा0 वी कुमार के साथ। हम दोनो अलग अलग संस्थाओं से जुड़ने के बावजूद आपसे विचार विर्मश करते थे हमारे और उनके विचार आपस में बहुत मेल खाते थे। क्योंकि हम दोनो का एक ही उद्देश्य था कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को बढ़ाना है।

बहराइच से आये डा0 भूपराज श्रीवास्वत ने डा0 बाजपेयी के प्रति श्रद्धांसुमन अर्पित करते हुए अनेक स्मरण बताये।

शेष पेज 3 पर

डा0 प्रमोद शंकर बाजपेई के संस्मरण सुनाते डा0 राम औतार कुशवाहा मंच पर डा0 पी0 आर0 धूसिया, डा0 आर0 के0 कपूर एवं डा0 एम0 एच0 इदरीसी – छाया गजट

डा0 एस0 एन0 राग (शाहगंज) जौनपुर डा0 प्रमोद शंकर बाजपेई के साथ बिताये गये पलों को बताते हुये मंच पर डा0 पी0 आर0 धूसिया, डा0 आर0 के0 कपूर, बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी, मुहम्मद खालिद एवं श्री राहुल बाजपेई (डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी के पुत्र) एवं इंसेट में डा0 बाजपेई– छाया गजट

डा0 प्रमोद शंकर बाजपेई के संस्मरण सुनाते डा0 राम सरन भारतीय मंच पर डा0 पी0 आर0 धूसिया, डा0 आर0 के0 कपूर, डा0 एम0 एच0 इदरीसी एवं मुहम्मद खालिद– छाया गजट

तुम न जाने किस जहाँ ... प्रथम पेज से आगे

अम्बेदकर नगर से आये डा0 रामअरज राजभर ने बताया कि डा0 बाजपेयी जी बहुत ही कर्मठ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नेता थे वह सदैव चिकित्सको की समस्याओं के समाधान के लि तत्पर रहते थे।

हमीरपुर से आये हुए डा0 नरेन्द्र भूषण ने बताया कि वह डा0 बाजपेयी के साथ लगभग 8 से 10 घन्टे साथ रहते थे उन्होंने बहुत ही निकट से डा0 बाजपेयी जी को जाना है वह बहुत ही सच्चे और साफ दिल के इंसान थे। लोगो की सेवा करना तो उन्होंने अपना धर्म बना लिया था। वह रात दिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के बारे में ही सोचते रहते थे कि किस तरह इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास हो सके।

बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने डा0 बाजपेयी को श्रद्धां सुमन अर्पित करते हुए बताया कि डा0 बाजपेयी जी का असाधारण व्यक्तित्व,विलक्षण वाक्य शैली तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथी में उनकी लगन के हम कायल है।

बोर्ड के चेयरमैन एवं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने डा0 बाजपेयी को याद करते बताया कि जिन लोगो ने बाजपेयी जी के बारे में बताया है वह बहुत ही कम है बाजपेयी इससे भी कही अधिक थे उनके बारे में जितना बताया जाये वह कम है बाजपेयी जी उनके साथ थे वह अच्छी तरह जानते है कि उनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती है।

लखनऊ के डा0 आर0 के0 कपूर डा0 बाजपेयी जी के बारे मे बहुत कुछ कहना चाहते थे किन्तु वह इतने भावुक हो गये कि वह जो कहना या बताना चाहते थे वह नहीं कह पाये।

प्रमुख रूप से निम्न लोगो ने अपने विचार व्यक्त किये सर्वश्री डा0 राम अवतार कुशवाहा,डा0 प्रमोद सिंह ,डा0राम सरन ,डा0पी0 आर0 धूसिया,डा0 अयाज अहमद,

शेष पेज 4 पर

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर के डा0 आर0 के0 शर्मा

हमीरपुर के डा0 नरेन्द्र भूषण निगम अपने संस्मरण बताते हुये–छाया गजट

डा0 प्रमोद कुमार सिंह भावुक होकर संस्मरण सुनाते

डा0 मन्जू सक्सेना मुरादाबाद श्रद्धा सुमन अर्पित करते

श्री हरिनाम सक्सेना श्रद्धा सुमन अर्पित करते

अम्बेदकर नगर के डा0 राम अरज राजभर अपने विचार देते हुये

माइक पर डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा तथा मंच पर डा0 पी0 आर0 धूसिया, डा0 आर0 के0 कपूर,डा0 एम0 एच0 इदरीसी,श्री मु0 खालिद एवं राहुल बाजपेई

माइक पर अपने विचार देते डा0 राम निवास विश्वकर्मा–छाया गज़ट

माइक पर सम्बोधित करते डा0 परिखान राम धूसिया–छाया गज़ट

तुम न जाने किस जहाँ ... प्रथम पेज से आगे

माइक पर क्रमशः अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, लखनऊ के प्रमुख डा0 आर0 के0 कपूर एवं माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, लखीमपुर के प्रमुख डा0 आर0 के0 शर्मा अपने विचार देते हुये– छाया गजट

माइक पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी

श्रद्धा सुमन अर्पित करते बहराइच इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के प्रमुख डा0 भूप राज श्रीवास्तव

श्रद्धा सुमन अर्पित करते डा0 अनिल श्रीवास्तव वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक एवं गणेश्वर सिंह विद्या भवन दयालपुर, बस्ती के प्रधानाचार्य । छाया–गजट

डा0एस0एन0राय, डा0 राम निवास विश्वकर्मा, डा0सुबोध कुमार सक्सेना–मुरादाबाद डा0पी0एन0 कुशवाहा,आदि।

श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से निम्न लोगा उपस्थित हुए डा0 अकरम वारसी,डाराम सरन भारती,डा0 इश्रार खन,डा0 मो0 इखलाख,डा0देवेन्द दीक्षित ,डा0जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी,ड0राजेश कुमार,डा0 राम निवास शर्मा, डा0 आशुतोष कपूर,डा0राजेन्द्र प्रसाद,मो0 जफर इदरीसी,डा0 राम सजीवन मौर्य,डा0पी0के0श्रीवास्वत डा0एस0के0पाठक,डा0 राम विशाल मौर्या,डा0 धनन्जय सिंह आदि

अन्त में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्यो पैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी के सुपुत्र श्री राहुल बाजपेयी को अंगवस्त्र पहनाकर ₹ 5100/– का चेक भेट किया।

M.M.P. का उदघाटन Noida में

डा0 पी0 के0 दास द्वारा स्थापित एम0 एम0 पी0 लेबोरेट्री का उदघाटन मध्य प्रदेश सरकार के आदिवासी विस एवं विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री माननीय शिवराज साहा द्वारा किया गया, इस अवसर पर अन्य के साथ मण्डला मध्य प्रदेश के डा0 जी0 सौंफी तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के प्रभारी महासचिव डा0 मो0 इदरीस खान प्रमुख रुप से उपस्थित थे।माननीय मंत्री जी ने इस अवसर पर आश्वासन दिया कि मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के प्रसार के लिये वे सदैव तत्पर रहेंगे। डा0 खान ने इस अवसर पर कहा कि वे चिकित्सकों की हर समस्या के निवारण के लिये वे आधी रात को भी तैयार हैं ! आप हमें आवाज देकर तो देखें।

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर की ओर से श्री राहुल बाजपेयी को शॉल एवं ₹ 5100 का चेक देते डा0 एम0 एच0 इदरीसी

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री माननीय शिवराज साहा उदघाटन करते हुये साथ में डा0 पी0 के0 दास